प्रकाशक/स्वामीत्व
रजनी (पुत्री-महेश धावनिया)

डाक पंजियन संख्या : JaipurCity/423/2017-19

श्री बाबा

प्रधान कार्यालय-सी-57, महेश नगर, जयपुर-15, मो.-9928260244 हिन्दी मासिक समाचार पत्र 7073909291 E-mail:shreebaba_2008@yahoo.com

वर्ष : 11 अंक : 1 आर.एन.आई. नं. : RAJHIN/2008/24962 जयपुर, 5 मार्च, 2018 मूल्य : 5 रुपए प्रति पृष्ठ : 4

कांग्रेस ने शुरू की चुनाव तैयारी, समन्वय समिति की पहली बैठक

जयपुर। उपचुनाव में मिली शानदार जीत के बाद कांग्रेस ने नवंबर-दिसंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। आक्रामक रणनीति के लिए बुधवार केंद्रीय नेतृत्व की ओर से गठित की गई समन्वय की पहली बैठक कांग्रेस मुख्यालय में हुई, जिसमें नए के साथ परंपरागत वोटरों को भी साथ जोड़े रखने पर जोर दिया गया। प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे ने विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर कौन-कौन से कार्यक्रम और कहां पर किए जा सकते हैं इस पर चर्चा की। किस तरह से जनता को जोड़ा जाए। प्रदेश भर में जनसंपर्क अभियान बनाने के लिए फरवरी के आखिर तक अगले छह महीने का कार्यक्रम बनाया जाएगा। इसके बाद इसे हर जिले और ब्लॉक में भेजा जाएगा। राज्य सरकार की नाकामियों को प्रमुखता से उठाने का काम कांग्रेस की ओर से किया जाएगा। इस दौरान समिति के सभी सदस्यों ने अपने सुझाव भी दिए।

ब्रेकफास्ट के बाद गहलोत का लंच डिप्लोमेसी- ब्रेकफास्ट के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को अचानक अपने आवास पर कांग्रेस नेताओं को लंच पर बुलाया, जिसमें कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट, प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे सहित तमाम नेता भी शामिल हुए थे। (शेष पृष्ठ 3 पर)

एक ही पांडाल में हुए फेरे, पढ़ाया निकाह...

सामूहिक विवाह सम्मेलन में 134 जोड़ें बने हमसफर

सम्मेलन के दौरान मंचासीन पं. सुरेश मिश्रा, श्री महेश धावनिया, डॉ. रामदयाल बड़ोदिया एवं अन्य पदाधिकारीगण।

चाकसू। हिन्दु, मुस्लिम, सिख ईसाई सामाज के 134 जोडे सर्व धर्म सामुहिक विवाह में न्यू जागृति सामाजिक विकास संस्थान कि और से 17 फरवरी को शील की डूंगरी चाकसू में मुख्य अतिथि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सुरेश मिश्रा व राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य संजय वापना, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष महिला कांग्रेस अस्णीमा स्वामी, प्रदेश सचिव प्रशान्त बैरवा जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा, विधायक लक्ष्मीनारायण बैरवा पूर्व विधायक प्रकाश बैरवा (शेष पृष्ठ 3 पर)

सम्मेलन में मंच पर समर्पण संस्था के अध्यक्ष दौलतराम माल्या एवं प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था के प्रदेशाध्यक्ष श्री महेश धावनिया का सम्मेलन के संयोजक डॉ. रामदयाल बड़ोदिया द्वारा माला पहनाकर स्वागत करते।

रेनवाल में बैरवा समाज के 85 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

बैरवा समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन के दौरान आमजन को सम्बोधित करते विधायक श्री लक्ष्मीनारायण बैरवा एवं मंचासीन अतिथिगण।

फागी। रेनवाल मांगी कस्बे में बैरवा सामूहिक विवाह संस्था जयपुर ग्रामीण की और से चतुर्थ सामुहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में समाज के 85 जोडे एक दूसरे के हमसफर बने। समारोह में विधान सभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल, राज्यसभा सांसद रामकुमार वर्मा, कैबिनेट मंत्री बाबूलाल वर्मा स्थानिय विधायक लक्ष्मीनाराण बैरवा, पूर्व विधायक प्रोमीला कुण्डारा, प्रकाश बैरवा, प्रदेश कांग्रेस सचिव प्रशान्त बैरवा, लक्की राम बैरवा, प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष महेश धावनिया, प्रगतिशील बैरवा महासभा के (शेष पृष्ठ 3 पर)

ममता भूपेश बनी ऑल इंडिया महिला कांग्रेस की महासचिव

जयपुर। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व संसदीय सचिव ममता भूपेश को ऑल इंडिया महिला कांग्रेस में महासचिव के पद पर नियुक्त किया है। नियुक्ति आदेश कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के निर्देश पर ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के महासचिव जनार्दन द्विवेदी ने जारी किया है। आदेश 19 फरवरी को जारी किया गया है। नियुक्ति के बाद भूपेश का कहना है कि राष्ट्रीय महिला कांग्रेस की महासचिव पद पर नियुक्त करके राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उन पर भरोसा जताया है। इस पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

राजस्थान सरकार ने वाही-वाही लूटने के चक्कर में दलित व आदिवासियों को किया नजर अंदाज

जयपुर। 12 फरवरी को राजस्थान सरकार की मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे ने 1,07,865 करोड का बजट पेश किया गया। खुशी इस बात की है कि राजस्थान सरकार ने बजट में बढा-चडा कर कई प्रकार की घोषणााऐं की गई लेकिन कितनी धरातल तक पहुंचती है यह देखने का विषय है। राजस्थान सरकार की घोषणाओं से लगता है कि राज्य सरकार ने चुनावों व जनसभाओं में जुमले बेच कर वोट बटोरने में महारथ हासिल प्राप्त है लेकिन बजट घोषणा के बाद ऐसा लगने लगा है कि विधानसभा में बजट सत्र में भी जूमले बेचने में कोई कसर नही छोडी, बजट घोषणा के बाद में सरकार के शिर्ष नेतृत्व ने पत्रकारवार्ता में यह बोल दिया कि ''यह गारंटी नही है कि बजट घोषणा आठ माह में पूरी हो जायें'' सरकार के जिम्मेदार व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक रूप से यह बयान देना इस बात को साबित करने के लिए पर्याप्त है कि सरकार प्रदेश की जनता के लिए संवेदनशील नही है। (शेष पृष्ठ 2 पर)

बाबा रामदेव मंदिर में पंचकुण्डात्मक सामवेद परायण यज्ञ सम्पन्न

अजमेर। बैरवा समाज ग्राम मनोहरपुरा पंचायत समिति अराई, तहसील सरवाड़, जिला अजमेर के द्वारा पंचकुण्डात्मक सामवेद परायण श्री रामदेव महायज्ञ दिनांक 12 फरवरी, 2018 से दिनांक 17 फरवरी, 2018 तक बाबा रामदेव जी मन्दिर प्रांणग किया गया। इस आयोजन के यज्ञाश्रमी वेदान्ताचार्य मुनिवर संत श्री 108 श्री विरमदेव जी महराज चापानेरी के सानिध्य में किया गया।

इस अवसर पर अतिथि के रूप में डॉ. रघु शर्मा सांसद अजमेर व श्री हरिनारायण बैरवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बैरवा महासभा ने शिरकत की।

अधीनस्थ मंत्रालयिक सेवा चयन बोर्ड के जाटावत अध्यक्ष

जयपुर। राजस्थान अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड के रिक्त पड़े अध्यक्ष पद पर सरकार ने रिटायर्ड आईएएस डॉ. बाबूलाल जाटावत को नियुक्ति दी है। कार्मिक विभाग ने आदेश जारी किए।

सरकार ने मौजूदा बजट में एक लाख से ज्यादा नई नौकरियां देने की घोषणा की है। बोर्ड अध्यक्ष की नियुक्ति से नई भर्ती प्रक्रियाओं में तेजी आएगी।

डॉ. बाबूलाल बैरवा को डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय फैलेशिप अवार्ड

अलवर। राजकीय महाविद्यालय, राजगढ़ जिला अलवर में कार्यरत हिन्दी विभाग के प्राध्यापक डॉ. बाबूलाल बैरवा नागर को सामाजिक शैक्षिक उन्नयन के कार्य करने के लिए भारतीय दलित साहित्य अकादमी का डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय फैलेशिप अवार्ड 2017 सम्मान के लिए चुना गया। बैरवा को यह सम्मान 33वें राष्ट्रीय सम्मेलन भारतीय दलित साहित्य अकादमी, नई दिल्ली में दिया जावेगा।

समाचार विज्ञापन संकलन

श्री बाबा समाचार पत्र की प्रकाशन तिथि प्रत्येक माह की 5 तारीख है। अतः समाचार एवं विज्ञापन आदि के प्रकाशन के लिए विज्ञप्ति, फोटो आदि सामग्री माह की 20 तारीख तक पूर्ण विवरण के साथ भिजवा दें। सम्पर्क करें:

श्री बाबा whatsapp 7073909291

सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15

मो.-9928260244 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com

सम्पादकीय

रंगों, मस्ती और एक दूसरे को मनाने का महापर्व है होली

भारतीय संस्कृति में होली के पर्व का अद्वितीय स्थान है। यह पर्व उमंग, उल्लास, और जोश तथा मस्ती का पर्व है। होली का पर्व देश व समाज में सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने वाला पर्व है। होली का पर्व जलवायु परिवर्तन का भी संकेत देता है। होली का पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला पर्व है। यह पर्व पारम्परिक रूप से दो दिन तक मनाया जाने वाला पर्व है। यह पर्व पूरे भारत तथा नेपाल में खूब धूमधाम और उमंग के साथ मनाया जाने वाला पर्व हैं। पर्व का प्रारंभ होलिका दहन से होता है। अगले दिन जनमानस अबीर, गुलाल अैर गीले रंगों के साथ तथा पर्यावरण प्रेमी टेसू के फूलों व हर्बल गुलाल के साथ होली के पर्व का आनंद मनाते हैं। कहीं-कहीं यह पर्व आज भी अपनी प्राचीन परम्परा के अनुरूप ही सप्ताह भर तक मनाया जाता है।

होली के पर्व को धुरंडी, धुलेंडी, धुरखेल या धूलिवंदन भी कहा जाता है। इस दिन लोग एक दूसरे के साथ प्रेम के रस में सराबोर हो जाते हैं। कहा जाता है कि लोग होली के दिन आपस में पुरानी से पुरानी वैमनस्यता और कटुता को भुलाकर होली के रंग में मदमस्त हो जाते हैं। होली के पर्व को वसंतोत्सव या कामोत्सव भी कहा गया है। होली का पूरा महीना ही कामोत्सव का पर्व माना गया है। होली भारत का अत्यंत ही प्राचीन पर्व है। इतिहासकारों का मत है कि होली का यह पर्व आर्यों सहित समाज के सभी वर्गों मे प्रचलित था। लेकिन अधिकतर का मानना है कि प्राचीनकाल में यह पर्व पूर्वी भारत में अधिक प्रचलित और विकसित था।

होली के पर्व का उल्लेख मुगल यात्री अलबेरूनी के ग्रंथों में भी मिलता है। इसके अतिरिक्त होली के पर्व की सबसे प्रामाणिक तस्वीरें व कथाएं भी मुगलकाल से ही मिलती हैं। होली के सर्वाधिक लोकप्रिय किस्सों में अकबर की जोधाबाई के साथ और जहांगीर का नूरजहां के साथ होली खेलने का वर्णन मिलता है। अलवर संग्रहालय के एक चित्र में जहांगीर को होली खेलते दिखलाया गया है।

संस्कृत साहित्य में होली के विभिन्न रूपों का वर्णन मिलता है। श्रीमद्भागवत महापुराण में रसों के समूह रास का वर्णन मिलता है। हर्ष की प्रियदर्शिका व रत्नालीला तथा कालिदास की कुमारसंभव तथा मालविकाग्निमित्रम में होली का वर्णन मिलता है। भारवि, माघ और कई अन्य संस्कृत के कवियों ने वसंत और होली की खूब चर्चा की हैं। चंदवरदाई के पृथ्वीराज रासो में होली का वर्णन मिलता है। आदिकालीन कवि विद्यापति से लेकर सूर, रहीम, रसखान, जायसी, मीरा, कबीर और रीतिकालीन बिहारी, केशव आदि कवियों का प्रिय विषय होली रहा है। महाकवि सूरदास ने होली पर 78 पद लिखे हैं। सूफी संत हजरत निजामुद्दीन औलिया समेत अनेक मुस्लिम कवियों और गायकों ने भी होली पर खूब कवितायें लिखी हैं। आधुनिक परिवेश में आधुनिक हिंदी फिल्मों का पसंदीदा विषय होली का रहा है। शाशि कपूर की फिल्म उत्सव, यश चोपड़ा की फिल्म सिलसिला, वी शांताराम की फिल्म नवरंग उल्लेखनीय है।

होली का पर्व पूरे भारत में ही नहीं अपितु हर प्रांत के अलग-अलग प्रकार से मनाया जाता है। सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र बिंदु ब्रज की होली है। जिसमें बरसाने की लठ्ठमार होली सर्वाधिक प्रसिद्ध है। मथुरा-वृंदावन में होली में संगोष्ठियों का आयोजन होता है। हरियाणा के धुलेंडी क्षेत्र में भाभी द्वारा देवर को सताने की प्रथा है। बंगाल में चैतन्य महाप्रभु की जयंती धूमधाम से मनाया जाती है। महाराष्ट्र में होली का पर्व रंगपचंमी के रूप में मनाया जाता है। मुंबई में फिल्मी कलाकारों की होली का अपना ही रंग देखने को मिलता हैं। पंजाब में होली का पर्व होला मोहल्ला के रूप में मनाया जाता है। तमिलनाडु में यह पर्व कामदेव की कथा पर आधारित वसंतोत्सव है। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ की होरी में लोकगीतों की अद्भुत परम्परा है।

होली के पर्व सबसे लोकप्रिय परम्परा गुझिया बनाने की है। गुझिया केवल होली के पर्व परही मनाया जाने वाला पकवान हैं इसके अतिरिक्त घरों में पकवान के रूप में पापड़ आदि भी बनते हैं तथा होली के दिन घरों में परम्परागत भोजन से अलग हटकर भोजनादि बनाने की परम्परायें हैं। यह भोजन और पकवान भी एक अलग प्रकार से समाज में मिठास घोलता है व मानव जीवन में एक नया उत्साह और उमंग तथा जोश को जगाता है। होली और होलाष्टक के दिनों में केवल होली की बातें की जाती हैं तथा इस दौरान समाज में अन्य प्रकार के प्रचलित धार्मिक और मांगलिक कामों की वार्तालाप बंद रहती है।

अब यह रंग आधुनिक परिवेश में रंग गया है तथा पर्यावरण प्रेमी हर्बल उत्पादी का प्रयोग करने की बात कहने लग गये हैं। वहीं आपराधिक प्रवृत्ति के लोग आम जनमानस के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करते हुए बाजारों में मिलावटी उत्पादों की बिक्री करते हैं। आधुनिकता के दौर में मिलावटी उत्पादों की बिक्री पर्व के अवसर पर एक बहुत बड़ी व बुरी सामाजिक बुराई बन चुकी है। जिसे दूर करने के लिए समाज के लोगों को आगे आना होगा।

भारत के सामाजिक इतिहास में डॉ. अम्बेडकर पहले महापुरुष

युवा कारवां वाहक

डॉ. अम्बेडकर का प्रादुर्भाव 14 अप्रैल, सन 1891 को उस समय हुआ, जब भारत विदेशी शक्ति के आधिपत्य से मुक्त होने के लिए छटपटा रहा था। देश में अंग्रेजी हुकूमत के प्रति विद्रोह का स्वर जोर पकड़ रहा था तभी सभी धर्मों और सम्प्रदायों के लोग पारस्परिक मतभेदों को भुलाकर एक मंच पर आ रहे थे। यह नवजागरण काल था और देश में नई चेतना का संचार हो रहा था। किन्तु नव जागरण के इस काल में भी किसी महापुरुष का ध्यान इस ओर नहीं गया कि देश के अंदर एक ऐसा वर्ग भी है, जो विदेशियों के साथज्ञ-साथ स्वदेशियों का भी गुलाम है। आदमियों की दुनिया में भी जिनके साथ पशुवत व्यवहार किया जाता है तथा जो सभी तरह के मानवीय अधिकारों से वंचित है। एक ओर अंग्रेजों की गुलामी के प्रति विद्रोह का दहकता हुआ ज्वालामुखी था, दूसरी ओर कठोर जाति-व्यवस्था, जिसके रहते निम्न और अछूत कहे जाने वाले दलित लोग हजार तरह के प्रतिबंधों के शिकार थे। सवर्ण हिन्दू कुत्ता, बिल्ली, गाय आदि पालतू जानवरों को बड़े प्यार से स्पर्श करते थे, चींटी को शक्कर अर्पित की जा सकती थी। इसमें कुछ गलत नहीं था, लेकिन अपने ही सहधर्मी इन दलितों के स्पर्श से वे अपवित्र हो जाते थे। उनकी छाया से अशौच (अपवित्रता) होता था, उनकी वाणी तक का कानों में पड़ जाना अशुभ लगता था। वे किसी कुएं से पानी नहीं पी सकते थे। मंदिरों में उनका प्रवेश वर्जित था। उनके बच्चों को पाठशालाओं में दाखिला नहीं मिलता था। अच्छी सरकारी नौकरियों, प्रतिष्ठित धंधों अथवा पुलिस विभाग में उन्हें नहीं लिया जाता था। उनकी दुनिया सवर्णों के घर झाड़ू लगाने, मैला ढोने, मरे हुए जानवरों की खाल निकालने, दास बनाकर खेतों में काम कराने तक ही सीमित थी, इसके अलावा वे अच्छा भोजन नहीं कर सकते थे, न वे स्वच्छ और नये वस्त्र पहन सकते थे, न कीमती धातु के गहने पहन सकते थे। उनके लिए यह सब निषिद्ध था। दलित दूल्हे का घोड़ी पर चढ़कर निकलना, चावल में घी खाना, बूट पहन कर गांव में घूमना...। यदि कोई ऐसी हिमाकत करता तो न केवल उसकी पिटाई होती थी, बल्कि उसे हजार तरह की यातनाओं का शिकार होना पड़ता था।

जिन सवर्णों के खेतों में ये लोग काम करते थे, वे उनको भरपेट भोजन नहीं देते थे। अत: पेट भरने के लिए वे मरे हुए पशुओं का मांस खाने को मजबूर थे।

भारत के सामाजिक इतिहास में डॉ. अम्बेडकर पहले महापुरुष हुए, जिन्होंने युगों-युगों से पीड़ित, शोषित दलितों की समस्याओं को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखा तथा उनके उत्थान के लिए आजीवन संघर्ष किया। देश का विदेशियों के शासन से स्वतंत्र होना जरूरी था, लेकिन देश की स्वतंत्रता के साथ-साथ सामाजिक स्वतंत्रता में भी उनकी गहरी रूचि थी। उनकी राय थी कि देश की आजादी से पहले सामाजिक गैर बराबरी खत्म होनी चाहिए, ताकि स्वतंत्रता का लाभ दलितों को भी मिल सके। जब तक दलित लोग सामाजिक शोषण और अपमान के शिकार रहेंगे, तब तक उनके लिए स्वतंत्रता का कोई महत्व नहीं होगा। वे तो कल भी गुलाम थे, आज भी गुलाम हैं और कल भरी गुलाम ही रहेंगे। उनके जीवन में बदलाव आना आवश्यक है। लेकिन इस कार्य के लिए किसी भी महापुरुष का सहयोग उनको नहीं मिला, बल्कि उनकी आलोचनाएं ही हुई। क्योंकि आजादी के नेता केवल देश की आजादी में रूचि रखते थे, दलितों की आजादी के प्रति उनकी कोई रूचि नहीं थी।

जबकि डॉ. अम्बेडकर देश को विदेशियों की गुलामी से मुक्त कराने से पहले मनुष्यको मनुष्य की परतंत्र ता से मुक्त कराना चाहते थे। यही कारण था कि देश की आजादी के लिए संघर्ष करने वाले नेताओं के साथ उनकी पटरी कभी नहीं बैठी।

बाल गंगाधर तिलक के बारे में उन्होंने लिखा था, यदि तिलक अछूत समाज में पैदा हुए होते तो यह कदापि नहीं कहते कि स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, बल्कि यह कहते कि छुआछूत का खात्मा करना मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है। यद्यपि डॉ. अम्बेडकर ने आजीवन दलित-शोषितों के हितों के लिए संघर्ष किया, तथापि उनके लिए राष्ट्रीय मूल्य सर्वोपरि थे। उन्होंने दलित-अछूतों को समान मानवीय अधिकार दिलाने के लिए जेहाद छेड़ा तो केवल इसलिए नहीं कि वह दलित समाज की उपज थे और इस कारण अपने समाज को ऊंचा उठाना चाहते थे। कुछ लोग ऐसा सोच सकते हैं, किन्तु यह सोच तर्कसंगत नहीं है। **क्रमश:**

वैवाहिक

वर चाहिए

* जयपुर निवासी, 25 वर्ष, शिक्षा-बी.एस.सी., बी.एड. स्टेनोग्राफर, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-भीयाणा, बंशीवाल, गंगवाल, जोनवाल, मो. 9782888980।
* जयपुर निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., पिता-बैंक सेवा, गौत्र-मुराड़िया, बंशीवाल, जोनवाल, जीनवाल, मो. 9461937940।
* जयपुर निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., एम.ए., बी.एड., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-नागरवाल, मेहर, लालवत, सामने भखण्ड न हो, मो. 9928988278।
* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-एम.कॉम., बी.एड., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-नागरवाल, मेहर, लालवत, सामने भखण्ड न हो, मो. 9928988278।
* दिल्ली निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम., पिता-बैंक सेवा, गौत्र-जोनवाल, कुण्डारा, सुलानिया, मो. 9810068173।
* जयपुर निवासी, 25 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम., एम.कॉम, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-बंशीवाल, नागरवाल, सुलानिया, सामने सेर न हो।
* जयपुर निवासी, 21 वर्ष, शिक्षा-बी.एस.सी., पिता-निजी कार्य, गौत्र-मरमट, मीमरोट, जारवाल, कुण्डारा।
* दौसा निवासी, 18 वर्ष, शिक्षा-11वीं पास, पिता-निजी कार्य, गौत्र-शक्करवाल, चन्दवाड़ी, नंगवाड़ी, धावणिया, सामने बंशीवाल व देवतवाल न हो, मो. 9928260244।
* जयपुर निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-एम.बी.ए., पिता-बैंक सेवा, गौत्र-जारवाल, नागरवाल, मेहर, मो. 9784513332।
* जयपुर निवासी, 26 वर्ष, शिक्षा-एम.बी.ए., पिता-बैंक सेवा, गौत्र-जारवाल, नागरवाल, मेहर, मो. 9784513332।
* जयपुर निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-एम.एस.सी., गौत्र-मीमरोठ, जाटवा, बंशीवाल, सामने लकवाल व मराड़िया न हो।
* अलवर निवासी, 20 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., पिता-निजी कार्य, गौत्र-मेहर, नागरवाल, कुण्डारा, सामने बन्दावड्या हो, मो. 9829510084।

वधू चाहिए

* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.टेक, वर्तमान में टैक्स असिसटेंट इनकमटैक्स, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-सुलाणिया, राजलवाल, बीलवाल, सामने बैण्डवाल न हो।
* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., एम.बी.ए., वर्तमान में स्वयं का व्यवसाय, पिता-निजी कार्य, गौत्र-गोमलाड्डू, मीमरोट, कुण्डारा, सामने तलावलिया न हो।
* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.एस.सी. नर्सिंग, वर्तमान में एआईएमएस में कार्यरत, गौत्र-मीमरोठ, जाटवा, बंशीवाल, सामने लकवाल व मुराडिया न हो, मो. 7976069646।
* जयपुर निवासी, 23 वर्ष, शिक्षा-12वीं, गौत्र-बंशीवाल, लोदवाल, गोठवाल, देवतवाल।
* बीकानेर निवासी, 29 वर्ष, शिक्षा-बी.फार्मेसी, वर्तमान में कम्पनी में कार्यरत, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-रवाड़िया, मेहर, माली, मो. 9602211924।
* जयपुर निवासी, 33 वर्ष, शिक्षा-बी.टेक, वर्तमान में जेईएन दिल्ली नगर निगम, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-कुवाल, राजलवाल, गोठवाल, सामने बैण्डवाल न हो, मो. 9680414294।
* जयपुर निवासी, 32 वर्ष, शिक्षा-बी.टेक, वर्तमान इनकम टैक्स इंस्पेक्टर जयपुर में, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-कुवाल, राजलवाल, गोठवाल, सामने बैण्डवाल न हो, मो. 9680414294।
* हनुमानगढ़ निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-10वीं पास, वर्तमान में दिल्ली में प्रिंटिंग प्रेस पर कार्यरत, गौत्र-बंशीवाल, चरावण्डिया, मीमरोठ।
* जयपुर निवासी, 25 वर्ष, शिक्षा-एम.कॉम., पिता-बैंक सेवा, गौत्र-मुराडिया, बंशीवाल, जोनवाल, जीनवाल, सामने बड़गोती ना हो, मो. 9461937940।

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें
मो.: 9928260244

(पृष्ठ 1 का शेष)

राजस्थान सरकार ने वाही-वाही लूटने...

ऐसी स्थिति में यह उम्मीद नही की जा सकती है बजट भाषण में की गई घोषणाऐं पूरी हो जायेगी। दलित अधिकार केन्द्र के मुख्यकार्यकारी पी.एल.मीमरौठ ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा किया गया बजट में दलितों को नजर अंजाद किया गया है। पिछडे वर्गो के नाम पर 273.50 करोड रूपये की घोषणा की है लेकिन इस वर्ग में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के वर्ग के छात्रों को भी शामिल किया गया है जबकि दलित व आदिवासियों के नाम से अलग से सेप्रेट बजट आवंटित किया जाना चाहिये था। श्री मीमरौठ ने कहा कि देखने में बजट बहुत मोटी रकम में दिखाया गया है लेकिन सामान्य, अन्य पिछडा वर्ग को भी इसमें जोडने से दलित व आदिवासियों के नाम से आवंटित बजट नाम मात्र का रह जायेगा जिसका लाभ अन्य समुदाय के लोगों को ज्यादा मिलेगा।

सरकार ने बजट घोषणा के साथ-साथ ''यह गारंटी नहीं है कि बजट घोषणा, आठ माह में पूरी हो जाये'' की घोषणा कर प्रदेश की जनता की आशाओं पर फेरा पानी।

जनजाति उप योजना क्षेत्र के उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाडा, प्रतापगढ, सिरोही, और बांरा जिले की किशनगंज और शाहबाद तहसीलों के जनजाति वर्ग को शंकर मक्का के बीज का नि:शुल्क वितरण करने की घोषणा लोक लुभावनी घोषणा है जो की टिकाओं व स्थाई विकास से वचित करने का प्रयास किया गया है। विद्यायक कोष की राशि से सरकारी कॉलेजों के भवनों का निर्माण कार्य करवाने की घोषण की गई जिससे आम जनता विधायक कोष के बजट से होने वाले विकास से वंचित हो जायेगी। कॉलेज शिक्षा भवन निर्माण के लिए अलग से बजट रखना चाहिये था। सामाजिक सुरक्षा योजना में वृद्वा, विधवा, विकलांग पेशन में किसी प्रकार की वृद्वी नही कर वंचित, दलित वंर्ग को हासिय मे दखलने का प्रयास किया गया है। कृषि व कृषि से जुडी सेवाओं में मात्र 6.25 प्रतिशत, ग्रामीण विकास में 13.42 प्रतिशत, परिवहन में 6.12 प्रतिशत का बजट आवंटित किया गया है जो बहुत की कम है तथा भूमि सुधार व भूमि विकास के विषय को सरकार ने छुना भी उचित नही समझा जो कि स्थाई व टिकाओं विकास का आधार है।

(चन्दा लाल बैरवा)
राज्य समन्वयक, मो. 9982246315

सदस्यता शुल्क

वार्षिक सदस्यता
100 रुपए

विशिष्ट द्विवार्षिक सदस्यता
500 रुपए
साथ में पाएं दो वैवाहिक एवं एक क्लासीफाइड डिस्प्ले विज्ञापन बिल्कुल मुफ्त

आजीवन सदस्यता
2100 रुपए

संरक्षक सदस्यता
5100 रुपए

(पृष्ठ 1 का शेष)

एक ही पांडाल में हुए फेरे...

प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्थान संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष महेश धावनिया, सांगानेर तहसील अध्यक्ष कविराज रामलाल बैरवा,

श्री मांगीलाल बैरवा, श्री प्रभुदयाल बैरवा पार्षद, श्री प्रहलाद जारवाल, मजदूर यूनियन के बुद्धीप्रकाश देव सांगानेर अध्यक्ष

राजेन्द्र देव प्रदेशाध्यक्ष रामदयाल बडोदिया एवं महासचिव सियाराम स्वामी, कोषाध्यक्ष राधाकिशन नायक महिला प्राकोष्ठ की चन्द्रा शर्मा, संरक्षक मोहन बैरवा बामणवास, भँवर सिंह राजावत, समर्पण संस्था के अध्यक्ष दौलतराम माल्या, रवि कुमार लादावत, रामफूल मुनीम, नारायण लाल बैरवा सहित ने नव विवाहित जोडो को विवाह का प्रमाण पत्र व उपहार भेंट दिए एवं अन्य अतिथियों ने भी शिरकत कर नव दमपत्तियों को मंगलमय दाम्पत्य जीवन का आशिर्वाद दिया। संस्थान के प्रवक्ता सुरेश काँस्या ने बताया कि समारोह की शुरूवात में सर्वसमाज की 2000 महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गयी उसके बाद हिन्दु समाज के समाज के जोडों को पण्डित सत्यनारायण शर्मा द्वारा पाणिग्रहण संस्कार व मुस्लिम समाज के जोडों को कागजी द्वारा निकाह करवाया, ईसाई समाज के पादरी द्वारा प्रेयर करवाकर शादी की रस्में पूरी करवायी गयी। यह अपनेआप में सर्वसमाज का प्रदेश में अनूठा व अनुकरणीय प्रयास एक ही पाण्डाल में सफल होते हुए नजर आ रहा था मानो कि शीतला माता का समय से पहले दूसरे मेले का आयोजन हो रहा हो। समारोह में मंचासीन अतिथियों ने सर्वसमाज को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों ने जाति पाति के बंधनों को तोड़ने के लिए अनुकरणीय प्रयास है साथ ही समाज में दहेज जैसी प्रथा को समाप्त करने में सफलता मिलेगी और समाज का आर्थिक बोझ कम होगा। संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष रामदयाल बडोदिया ने आयोजन में शिरकत करने पर सभी मेहमानों का आभार व्यक्त करते हुए संस्था के पदाधिकारि एवं कार्यकर्ताओं को सफल आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आगामी 30 अप्रेल 2018 को पीपल पूनम पर सर्वधर्म का 551 जोडों का विवाह आयोजित करने की घोषणा की।

रेनवाल में बैरवा समाज....

प्रदेशाध्यक्ष प्रभुदयाल बैरवा, नगर अध्यक्ष के. के. टाटीवाल, डॉ. भीमराव अम्बेड्कर सामाजिक विकास संस्था के प्रदेशाध्यक्ष बुद्धिप्रकाश झाड़ला, बैरवा युवा पर रोकथाम लगेगी। संस्था की और से समारोह में तन, मन, धन से भागीदारी के लिए, सहयोग कर्ताओं को माला व साफा व स्मृति चिन्ह भेंट कर कार्यकर्ताओं को

बैरवा सामूहिक विवाह सम्मेलन के दौरान श्री रामेश्वरलाल बैरवा कड़वा का संस्था के महामंत्री कैलाश नागरवाल द्वारा स्वागत करते हुए।

जागृति महासभा के प्रदेशाध्यक्ष धर्मराज बगड्वा, संस्था के संरक्षक बाबूलाल बैरवा (पी.डब्ल्यू.डी.), रामस्वरूप गोठवाल, विष्णु गोठवाल, आरंई बैरवा महासभा अध्यक्ष रधुनाथ ठेकेदार, फागी अध्यक्ष औम प्रकाश कुवाल, सहित कई गणमान्यों की मौजूदगी में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन के अध्यक्ष व दूदू विधायक डॉ. प्रेमचन्द बैरवा व महामंत्री कैलाश नागरवाल ने नव दम्पत्तियों को विवाह का प्रमाण पत्र, उपहार भेंट किये।

संस्था के मीडिया प्रभारी सुरेश काँस्या ने बताया कि सम्मेलन में अतिथियों ने आयोजकों की सराहना करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में जागृति आयेगी और समाज का आर्थिक बोझ कम होगा। साथ ही सामाजिक बुराईयों सम्मानित किया गया।

समारोह की शुरुवात 500 महिलाओं द्वारा कलश यात्रा व दूल्हों की निकासी कस्बे के मुख्य मार्गो से होते हुए विवाह स्थल केसर पैरेडाइज पर पहुँची उसके बाद तोरण की रस्म व पण्डित प्रभुदयाल बैरवा द्वारा करवायी गयी। समारोह में कोषाध्यक्ष रामनारायण नागरवाल, रामनाराण समेलिया एवं एडवोकेट हनुमान प्रसाद बैरवा, बालचन्द नागरवाल, रामेश्वर लाल ठेकेदार, अमरचन्द मेहरा, प्रभुदयाल बोकडावास, परिवहन निरिक्षक फूलचन्द बैरवा, स्थानिय सरपंच हरिनाराण माण्डया, रामस्वरूप गोठवाल, हेमराज टाटीवाल, ललित नागरवाल सहित कई हजारों की संख्या में समाज के कार्यकर्ता व समाजगण मौजूद थे।

किसानों के विरोध-प्रदर्शन का दमन कर लोकतंत्र का गला घोट रही सरकार: पायलट

जयपुर। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष

सचिन पायलट ने राज्य सरकार की ओर से किसानों को गिरफ्तार किये जाने की कड़े शब्दों में निंदा की है। पायलट ने कहा कि सरकार ने किसानों से वादाखिलाफी की है। किसानों के साथ किये गये समझौते की अनदेखी की है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में देश के हर नागरिक को अधिकार है कि वह अपनी मांगों को रखने के लिए विरोध-प्रदर्शन कर व्यवस्था पर दबाव बनाए। दुर्भाग्य है कि प्रदेश की भाजपा सरकार हर आंदोलन का दमन कर रही। पायलट ने कहा कि किसानों की संपूर्ण कर्ज माफी की मांग उठाने वाले किसानों को गिरफ्तार कर भाजपा सरकार ने अपनी सामंती सोच का परिचय दिया है। चार वर्षो तक किसानों की कोई सुध नहीं ली। सितम्बर माह में हुए समझौते के तहत कर्ज माफी के लिए उम्मीद के अनुसार कोई कदम नहीं उठाये हैं। भाजपा शासित महाराष्ट्र व उत्तर प्रदेश में किसानों के कर्ज जिस स्तर पर माफ किए गए हैं उसकी तुलना में प्रदेश में किसानों की कर्ज नाकाफी है।

मुख्यमंत्री बजट की घोषणाओं को लेकर मंत्रियों को प्रदेश के विभिन्न जिलों में भेज रही हैं, जबकि सरकार के पास चार वर्षों में बताने के लिए कोई उपलब्धि नहीं है। उप चुनावों में जनता ने सरकार को कुशासन व वादाखिलाफी को लेकर सबक सिखाया है।

बैरवा आश्रम पुष्कर मंदिर की मीटिंग संपन्न

पुष्कर। दिनांक 4 फरवरी 2018 को बैरवा आश्रम पुष्कर मंदिर की मीटिंग संपन्न हुई जिसमें समाज के सभी लोग उपस्थित हुए। इस मीटिंग में पूर्व अध्यक्ष हीरालाल बैरवा व कोषाध्यक्ष रामगोपाल बैरवा ने समाज के सामने 3 वर्ष के कार्यकाल का हिसाब पेश किया जो पूर्व में पेश किए गए हिसाब से अलग था समाज के लोगों ने हिसाब चेक किया जिसमें निम्न कमियां पाई गई।

हैल्थ टिप्स

- अगर किसी व्यक्ति ने शराब ज्यादा पी ली है तो एक कागजी नींबू का रस पिलाने से नशा कम हो जाता है। नींबू के रस से काफी व अफीम के विष का भी प्रभाव खत्म हो जाता है।
- अगर किसी व्यक्ति ने भांग ज्यादा पी ली हो तो आधी छटांक अरहर की दाल उबालकर पिलाने से भांग का नशा कम हो जाता है।
- अगर आपने ज्यादा आम खा लिए हो तो ऊपर से दो चार जामुन खा लेने से नुकसान नहीं होगा। अगर जामुन ज्यादा खा लिये हो तो ऊपर से एक दो आम खा लेने से नुकसान नहीं होगा।
- मोतिया बिन्द की प्रारम्भिक अवस्था में शहद को सलाई द्वारा आँखों में लगाने से मोतिया का बढ़ना रुक जाता है।
- मसूढ़े में दर्द होने पर प्याज का टुकड़ा रखने से दर्द दूर होता है।
- 1 से 2 ग्राम सोंठ का पाउडर 2 से 10 ग्राम शहद के साथ देने से दस्त एवं उल्टी में लाभ होता है।
- नींबू के रस का लगातार प्रयोग करने से आँखों की रोशनी बढ़ती है।
- अखरोट के तेल की मालिश करने से पैरों की एंठन समाप्त होती है।
- नींबू का रस, गुलाब जल और शहद को मिलाकर चेहरे और गर्दन पर लगाया जाये तो यह बढ़िया फैश पैक का काम करता है।
- स्मरण शक्ति बढ़ाने के लिये चार-पांच बादाम रात्रि में जल में भिगोकर रख दें प्रातः छिलका उतारकर इन्हें बारीक पीस लें। पाव भर दूध में पिसे बादाम डालकर धीमी आंच पर गर्म करें। आंच से उतारकर एक चम्मच घी और दो चम्मच शक्कर मिलाकर ठण्डा करके पीले यह प्रयोग एक माह तक करें।

आचार्य समूह बैरवा समाज की कार्यकारिणी का गठन

जयपुर। आचार्य समूह बैरवा समाज के पदाधिकारियों की दिनांक 25 फरवरी, 2018 रविवार को बरकत नगर शिव मन्दिर में आम सभा सम्पन्न हुई। जिसमें

सर्वसम्मति से पं. लादूराम बैरवा को अध्यक्ष और पं. भवानी शंकर गोठवाल को महामंत्री एवं पं. गोपाल लाल बैरवा को कोषाध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों का गठन किया गया।

कांग्रेस ने शुरू की चुनाव तैयारी... (पृष्ठ 1 का शेष)

लंच की सूचना से पहले कई नेता खाना खा चुके थे, जिससे वे लंच पार्टी में शिरकत नहीं कर पाए। गहलोत की ओर से दिए गए लंच को डिप्लोमेसी के तौर पर माना जा रहा है।

विश्व की सबसे बड़ी पार्टी का दावा करने वाली बीजेपी को प्रदेश में हराया: पायलट

कांग्रेस भवन में बुधवार को उपचुनाव में जीते अलवर सांसद डॉ.करण सिंह यादव, अजमेर सांसद रघु शर्मा और मांडलगढ़ के विधायक विवेक धाकड़ का अभिनंदन किया गया। इस मौके पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट ने कहा कि 4 साल में 22 विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव हुए, जिसमें कांग्रेस को 20 में जीत मिली है, जबकि विश्व की सबसे बड़ी पार्टी होने का दावा करने वाली भाजपा के खाते में 2 सीट ही आ पाई है। हाल ही में हुए उपचुनाव में कांग्रेस ने जितने मतों से भाजपा को हराया है, उससे स्पष्ट हो गया है कि भाजपा सरकार की विदाई तय है। भाजपा सरकार ने जनविरोधी नीतियों को बनाकर जनता का शोषण किया है।

अपील

आदरणीय समाज बन्धुओं,

आपको यह भलीभाँति ज्ञात है कि जयपुर में बैरवा समाज का इतिहास लेखन कार्य विगत समय से चल रहा है, जिसमें समस्त ऐतिहासिक तथ्य अंकित करने के प्रयास किये जा रहे हैं जैसे-

1. पृथ्वी का उद्भव, जीव जगत की उत्पत्ति, आदिम मानव, आदिम कबील, सिन्धु घाटी सभ्यता, प्राचीन वंशज व्यवस्था, विश्व के मुख्य धर्म, वेदों की रचना, प्राचीन धार्मिक ग्रन्थ, वर्ण व्यवस्था, जातियों की उत्पत्ति, भारत में मठों उद्गम, संसकृति एवं संस्कार विवाह पद्धति भारत एवं राजस्थान की ऐतिहासिक जानकारी।
2. वंशावली, पतन, पुनरुत्थान, सामाजिक जीवन, गोत्रों का पद्गम, कुल देवी/दिराड़ी, सांसकृतिक रीति-रिवाज जैसे जन्म सम्बन्धी, विवाह सम्बन्धी, शोक सम्बन्धी, अन्य रीति-रिवाज।
3. समाजोत्थान में योगदान देने वाले संत महात्मा, साधु-साध्वी, वीरांगनाएं, समाज के कार्यकर्ता का फोटो सहित विवरण, समाज के व्यायामशाला अखाड़ें, संघर्ष से पाया स्वाभिमान, संघर्ष में हुए शहीद।
4. बैरवा समाज प्रगति के पथ पर, आर्थिक क्षेत्र में, शिक्षा के क्षेत्र में, साहित्य क्षेत्र में धार्मिक क्षेत्र में, पाण्डित्य क्षेत्र में राजनैतिक क्षेत्र में, बैरवा समाज के सांसद, विधायक, मंत्री बैरवा समाज के जिला प्रमुख।
5. बैरवा दिवस साधु-संत परम्परा का उदय, निसाण, पर्व, मेलें, प्रथम व्यक्ति, छात्रावास, धर्मशाला, जागा, भाट राणा ढोली परम्परा।
6. नवीन जानकारियाँ-क्षत्रिय वंशज का प्रमाण, बैरवा जाति अनुसूचित जाति में सम्मिलित, बैरवा समाज के प्रथम व्यक्ति, जागा भाट राणा तथा ढोली परम्परा, सामूहिक विवाह सम्मेलन, देवी-देवताओं की परम्परा, अंधविश्वास, तांत्रिक, तंत्र-मन्त्र-यंत्र, ज्योतिष तान्त्रिक, चमत्कार, भूत-प्रेत, टोने-टोटके, शकुन और अपशकुन आदि।

अतः इस संदर्भ में आप सभी से निवेदन है कि उपरोक्त जानकारियां निम्नलिखित पते पर भेजकर बैरवा समाज के इतिहास लेखन कार्य में सहयोग प्रदान करने की कृपा करें।

-लेखन- **माँगीलाल पालीवाल**

2-बी, सीताराम कॉलोनी, रामनगर, सोडाला, जयपुर, मो.: 9460071427

वसुन्धरा राजे से मिले अंबेडकर वेलफेयर सोसायटी के पदाधिकारी

जयपुर। डॉ.अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से मिलकर समता आंदोलन समिति द्वारा सुप्रीम कोर्ट में आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने की लगाई गई रिट पर राज्य अनुसूचित जाति आयोग का पार्टी बनाए जाने की मांग की है। इस संबंध में पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री व विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल को ज्ञापन दिया है।

सोसायटी के महासचिव अनिल कुमार गोठवाल ने बताया कि समता आंदोलन समिति द्वारा लगाई गई रिट से अनुसूचित जाति समाज में रोष है।

होली की सामाजिक समरसता में भूमिका विषय पर सेमिनार का आयोजन

जयपुर। राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग की ओर से सांप्रदायिक सौहार्द्र व भाईचारे के लिए सभी संप्रदायों के तीज-त्योहार मनाए जाने वाले एक संवाद कार्यक्रम में इस बार होली उत्सव मनाया गया।

आयोग के सचिवालय स्थित दफ्तर में आयोग अध्यक्ष जसबीर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में होली की सामाजिक समरसता में भूमिका विषय पर सेमीनार भी हुआ, जिसमें विद्वानों, विशेषज्ञों ने होली को परिभाषित किया। जसबीर सिंह ने कहा कि सामाजिक दृष्टि से यह ज्वाला में घृणा व वैमनस्य की भावना की प्रतीक होलिका का दहन किया जाता रहा है। ऐसे में इस उत्सव का उद्देश्य घृणा, वैमनस्य को भुलाकर प्रेम, सौहार्द, सामाजिक समरसता और समर्पण की भावना को आत्मसात करना है।

मुख्य वक्ता सरस निकुंज के अलबेली शरण जी महाराज ने कहा कि होली का त्यौहार सभी समाजों में भाईचारे, एकता और सद्भाव की भावना का संचार करता है। प्रवीण जी बड़े भैया ने भी इस अवसर पर होली की सामाजिक सौहार्द तथा राष्ट्रीय

एकता और अखंडता में भूमिका पर विचार रखे। इस अवसर पर दूरदर्शन के निदेशक रमेश शर्मा ने कहा कि सद्भाव व भाईचारे की भावना से ही समाज का व देश का विकास संभव है। बनज कुमार बनज और रजा शैदाई ने कविता के माध्यम से होली का उद्देश्य प्रकट किया। कार्यक्रम में सिख समाज के सतवंत सिंह, जी.एस. होरा, कैप्टन अरोड़ा, जैन सोश्यल ग्रुप मानसरोवर के मंत्री सौभाग मल जैन, मुस्लिम समाज से मौलाना जफरुल हसन ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

आयोग के सदस्य मुनव्वर खां, लिलियन ग्रेस, दिनेश कुमार जैन व सचिव कश्मी कौर उपस्थित रहे।

सर्वधर्म सामूहिक विवाह 30 अप्रेल को

जयपुर। न्यू जागृति सामाजिक सेवा संस्थान राज. प्रदेष की ओर से 26 फरवरी 2018 को संस्थान परिसर पुष्प एनक्लेव, प्रताप नगर सांगानेर में संथान के प्रदेषाध्यक्ष रामदयाल बडोदिया महामंत्री सियाराम स्वामी एवं महिला प्रकोष्ट के चन्द्रा स्वामी संरक्षक मोहन बैरवा बामनवास, रवि कुमार लालावत सांगानेर कोषाध्यक्ष राधाकिषन नायक सहित ने किया। संस्थान के प्रवक्ता सुरेष कॉंस्या ने बताया कि शील की डूंगरी चाकसू में 17 फरवरी को 134 जोड़ों का विवाह सफ्लतम आयोजन के बाद कार्यकर्ताओं को ध्यान प्राप्ति कर आगामी 30 अप्रेल 2018 पीपल पुनम को शील की डूंगरी पर सर्वसमाज के द्वितीय विवाह सम्मेलन का प्रचार-प्रसार के लिए पोस्टर का विमोचन किया गया। कॉंस्या ने बताया कि पोस्टर में विवाह की महत्वपूर्ण जानकारी उल्लेखित है जो निम्न प्रकार से है- 50 वर्गगज की भूमी का पट्टा कन्या के नाम, राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली प्रात्साहन राषि, 2 लाख का दुर्घटना बीमा, सोने का मंगलसूत्र, सोने की नाम एवं कान की बाली, चांदी की पायजेब एवं चिटकी जोड़ी, बैड (पलंग), गद्दा सैट, 1 कम्बल, 2 तकिये, सेन्टर टेबल, कुर्सियाँ, ड्रेसिंग टेबल व चौकी, दुल्हा दुल्हन के कपड़े, जोड़े की हाथ घड़ी, 21 बर्तनों का सेट, एल.ई.डी. टीवी, पंखा, दीवार घड़ी आदि। विवाह के लिए आवष्यक दस्तावेज जिनमें 8 पासपोर्ट साइज फ्रेटो वर व वधु की, वर एवं वधु के माता-पिता की 3-3 फ्रेटो, जन्म प्रमाण पत्र/टी.सी./मार्कषीट/आधार कार्ड की फ्रेटो कॉंपी, मूल निवास प्रमाण पत्र/बैंक पासबुक की फ्रेटों कॉंपी, शपथ पत्र हेतु माता-पिता के नाम 50 रूपये का स्टाम्प पेपर अनिवार्य है। विमोचन अवसर पर उपस्थित भॅंवर सिंह राजावत, नाथूराम पूर्व सरपंच खर्राली, कल्याण जुनवाल चाकसू, राजू गोविन्दपुरा, रामप्रसाद ठेकेदार, लादूराम गुणावत, नरेन्द्र शर्मा, सुनील चौधरी, कविता सैनी, संजय बैरवा सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

छोटेलाल बैरवा

कोषाध्यक्ष-बाड़ देवरी विकास समिति मानसरोवर, जयपुर

प्रांतीय बैरवा प्रगति संस्था की ओर से बैरवा समाज का तृतीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन 15 अप्रेल को

जयपुर। प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था की ओर से आगामी 15 अप्रेल, 2018 रविवार को बैरवा समाज का तृतीय युवक-यवती परिचय सम्मेलन पिंक सिटी प्रेस क्लब जयपुर में प्रात: 10.00 बजे से आयोजित किया जा रहा है।

संस्था के महामंत्री राजेश कुमार शास्त्री एडवोकेट ने बताया कि युवक-युवतियों के अभिभावक अपना पंजीयन संस्था कार्यालय सी-57 महेश नगर, जयपुर में करवा सकते हैं या संस्था की वेबसाईट www.bairwasamaaj.com पर ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। अन्य जानकारी के लिए संस्था के प्रदेशाध्यक्ष महेश धावनिया मो. 9928260244 पर सम्पर्क कर प्राप्त कर सकते है।

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

हमारे सम्मानीय युवा सामाजिक कार्यकर्ता

श्री पूरणमल बैरवा

जिला अध्यक्ष-बैरवा महासभा, जयपुर

का आकस्मिक

स्वर्गवास 3 फरवरी, 2018 को हो गया।

हम सभी अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं

श्रद्धावनत:

प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था, राजस्थान

प्रधान कार्यालय: सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15 (राज.), मो. 9928260244

समाचार पत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से सम्बन्धित विवरण
घोषणा-फार्म-4

1.	प्रकाशन स्थल	- जयपुर
2.	प्रकाशन अवधि	- मासिक
3.	मुद्रक का नाम	- रजनी
	क्या भारत का नागरिक हैं	- हाँ
	पता	सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15
4.	प्रकाशक का नाम	- रजनी
	क्या भारत का नागरिक हैं	- हाँ
	पता	- सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर।
5.	सम्पादक का नाम	- भवनेश धावनिया
	क्या भारत का नागरिक हैं	- हाँ
	पता	- सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर।
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।	- रजनी सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर।

मैं रजनी एतद् द्वारा घोषित करती हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य हैं।

हस्ताक्षर
(रजनी)
प्रकाशक के हस्ताक्षर

दिनांक : 5 मार्च, 2018

वर्ष 2008 में महेश धावनिया के निवास स्थान सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर में श्री पुरणमल बैरवा व उनकी मण्डली के साथ सत्संग समारोह में भजन प्रस्तुत करते हुए।

स्वामीत्व, मुद्रक, प्रकाशक, रजनी के लिए एम.बी. प्रिन्टर्स एफ-76 ए, करतारपुरा इण्ड. एरिया मोरानी वर्क्सशॉप के पास जयपुर से मुद्रित एवं सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15 (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक-भवनेश धावनिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर होगा। मो.-9928260244, 9829271582 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com